

मुहाफ़िज वि. (अर.) रक्षा करने वाला, रक्षक पुं.
अभिभावक, संरक्षक।

मुहाफ़िज़त स्त्री. (अर.) 1. देख-रेख, रक्षा 2. पालन-पोषण।

मुहार स्त्री. (अर.) ऊँट की नकेल।

मुहारनी स्त्री. (देश.) भारतीय शिक्षा पद्धति में प्राथमिक स्तर पर याद करवाने के लिए मौखिक रूप से करवाया जाने वाला अभ्यास जैसे- पहाड़े रटवाना आदि।

मुहारा पुं. (देश.) 1. किसी का अग्रभाग अर्थात् मुँह 2. प्रवेशद्वार।

मुहाल वि. (अर.) असंभव; कठिन, दुष्कर पुं. (देश.) हाथी के दाँतों पर शोभा के लिए चढ़ाया जाने वाला कड़ा।

मुहावरत स्त्री. (अर.) आपस में वार्तालाप करना।

मुहावरा पुं. (अर.) 1. कोई शब्द, वाक्य अथवा उसका कोई भाग अपने शाब्दिक अर्थ से इतर किसी अन्य लाक्षणिक अर्थ में रूढ़ हो गया हो। जैसे- 'आँख आना' अर्थात् आँख में पीड़ा होना। 2. आदत, अभ्यास जैसे- विलंब से आना उसका मुहावरा बन गया है।

मुहावरेदार वि. (अर.) 1. मुहावरे से युक्त जैसे- मुहावरेदार भाषा, मुहावरेदार कोई कथन।

मुहावरेदारी स्त्री. (अर.) मुहावरों के उचित प्रयोग का ज्ञान।

मुहासबा पुं. (अर.) दे. मुहासिबा।

मुहासा पुं. (देश.) युवावस्था में मुँह पर निकलने वाले छोटे-छोटे दाने, मुँहासा।

मुहासिब वि. (अर.) हिसाब करने वाला, गणितज्ञ।

मुहासिबा पुं. (अर.) 1. लेखा, हिसाब 2. लेखे अथवा हिसाब की जाँच-पड़ताल 3. किसी घटना से संबंधित पूछताछ।

मुहासिरा पुं. (अर.) 1. किसी चीज को चारों तरफ से घेरने की क्रिया अथवा भाव 2. हदबंदी।

मुहिं सर्व. (देश.) मोहिं, मुझको/मुझे।

मुहिब्ब वि. (अर.) मित्र, सखा, दोस्त; प्रेमी, आशिक।

मुहिम स्त्री. (अर.) कोई बड़ा काम, कठिन काम, युद्ध, लड़ाई।

मुहिर पुं. (अर.) कामदेव, मनोज वि. मूर्ख, बेवकूफ।

मुहीम स्त्री. (अर.) दे. मुहिम।

मुहु अव्य. (तत्.) पुनःपुन, बार-बार।

मुहुपुची स्त्री. (देश.) प्रायः रात्रि के समय उड़ने वाला एक काले रंग का पतिंगा जो मूँगफली की फसल को हानि पहुँचाता है, खुगल।

मुहुर्मुहुः अव्य. (तत्.) कुछ-कुछ अंतराल पर, बार-बार।

मुहूर्त पुं. (तत्.) (काल) समय-गणना का एक मान जो दिन-रात के तीसवें भाग अर्थात् दो घड़ी (48 मिनट) के बराबर होता है ज्यो. किसी शुभ कार्य यथा विवाह, गृह-प्रवेश आदि के लिए काल-गणना के अनुसार निश्चित किया गया समय; किसी कार्य के लिए निश्चित किया गया विशिष्ट समय।

मुहैया वि. (अर.) आवश्यकता की पूर्ति के लिए एकत्रित किया गया सामान आदि, उपलब्ध, प्रस्तुत जैसे- भवन-निर्माण की सामग्री मुहैया करवाई गई।

मुह्यमान वि. (तत्.) 1. मूर्छित 2. मोहग्रस्त।

मूँ सर्व. (देश.) 1. मेरा 2. मुझे।

मूँकना स.क्रि. (तद्.) 1. मुक्त करना, छोड़ना 2. त्यागना।

मूँग पुं. (तद्.) हरीतिमा लिए हुए लगभग गोलाकार एक प्रसिद्ध दलहन।

मूँगफली स्त्री. (तद्.) 1. एक छुप जिसकी फलियाँ इसकी जड़ों में लगती हैं और इसके दाने (गिरी) खाने और तेल निकालने के काम आते हैं 2. उक्त छुप की फली।